श्री एस० एस० अहलूवालिया : श्री जयपाल रेड्डी ने... (**व्यवधान**) अरे, आप बैठिए ना ....

SHRI JAGESH DESAI: Ministers are not called to the Committee meetings.

THE DEPUTY CHAIRMAN: This is not the issue before us for discussion. Mr. Ahluwalia, we are not going into this.

श्री एस० एस० अहलूवालिया : मैं आता हूं। और इन विभ्रांतियों के बीच और इतनी आशंकाओं के बीच जब पहले दिन ही सदन में एक्शन रिपोर्ट रखी गई– एक्शन टेकन रिपोर्ट जो कि इस सदन की सम्पत्ति है और इस सदन के माध्यम से हम उस पर चर्चा करके, उस पर बहस करके सारे देश के लोगों को बता सकते हैं कि जे०पी०सी० में आखिर क्या हुआ, यूनैनिमस रिपोर्ट क्या सबमिट हुई और उस यूनैनिमस रिपोर्ट की कितनी प्रतिशत अनुशंसायें भारत सरकार ने मानी हैं, उस पर विचार विमर्श करने के लिए हमारा जो अधिकार था उन अधिकारों का भी हनन हुआ। मैं किसी टेक्निकल प्वाइंट पर नहीं जाता हूं। पर मैं सिर्फ गुजारिश करना चाहता हूं आपके माध्यम से विपक्ष के दलों को कि यही एक मौका था हम अपनी इस एक्शन टेकन रिपोर्ट पर डिसकस करते, डिबेट करते क्योंकि संसद का प्राइमरी वर्क, प्राइमरी ड्यूटी है किसी भी मुद्दे को डिसकस करना, और डिसकस करके ही किसी निष्कर्ष पर पहुंचना। बिना डिसकस किये किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने पर ऐसा लगता है कि हमने इस इश्यू को प्रीजज कर लिया है या हमारा माइंड प्रीजूडिस्ड है या हम अपने तरीके से सरकार को मजबूर करना चाहते हैं कि इस हमारे तरीके से कार्यवाही होनी चाहिए। कार्यवाहियां बहुत हुई हैं। पर कार्यवाहियां अपने तरीके से नहीं, कार्यवाहियां भारत के संविधान के तहत या भारत के कानूनों के तहत जो तौर-तरीके हैं, उन्हीं के तहत ही उस पर कार्यवाहियां हो सकती हैं। मैं समझता हूं कि एक्शन टेकन रिपोर्ट में करीब 90 प्रतिशत जे०पी०सी० की रेकमेंडेशंस मान ली हैं और उसके बावजूद इस तरह का जो एक स्टलमेंट सदन के अंदर है विभ्रांतियां अगर कुछ शब्दों के प्रयोग की हैं... (**व्यवधान**)

उपसभापति : अभी चव्हाण साहब को भाषण करना है।

The statement is listed at 12.15.

आप जरा ये सब बातें... (**व्यवधान**)

SHRI S. S. AHLUWALIA: I am concluding.

इसलिए मेरी गुजारिश है कि अगर कुछ शब्दों में विभ्रांतियां हैं उसके लिए भी बैठकर ही विचार-विमर्श हो सकता है। इस सदन के अन्दर ही हो सकता, सदन के बाहर नहीं और इस सदन के अंदर ही हमें इस पर तबसरा करके, इस पर विचार-विमर्श करके, इस पर डिबेट करके और डिसकस करके हमें सिर्फ इस सदन को ही नहीं, पर सारे देश और सारे विश्व को बताना है कि इतना बड़ा बैंक स्कैम हुआ तो उस पर क्या-क्या कार्यवाही हुई।

मेरी फिर से आपके माध्यम से विपक्षी मित्रों को गुजारिश है कि वे वापस आयें और इस सदन में इस पर बहस करें और जो भी कमियां हैं, उसको पूरा करने के लिए हम सब लोग जिम्मेदार हैं। सदन का हरेक सदस्य देश के प्रति जिम्मेदार है और हरेक सदस्य चाहता है कि जो भी चीज सामने आई है उस पर कार्यवाही हो और उसके लिए मांग करें। धन्यवाद।

THE DEPUTY CHAIRMAN: The Home Minister is making a *suo motu* statement. Yes, Mr. Home Minister.

STATEMENT BY MINISTER

Apprehension of a Top Proclaimed Offender accused in Bombay Bomb Blasts Case

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI S. B. CHAVAN): Madam, As the House is aware, the bomb blasts which rocked Bombay in March last year to the great shock of all Indians, were speedily investigated and the trial is under way before the Designated Court in Bombay. The Government would like to take the House into confidence to announce the apprehension of one of the principal accused namely Yakub Abdul Razak Memon by our security agencies at Delhi this morning.

2. A large number of incriminating documents including Pakistani passports and Pak identity documents of Yakub and his other members of the Memon family recovered from the accused provide irrefutable evidence and confirm the complicity of Pakistan in Bombay blasts. The members of the Memon family, who fled Bombay on the eve of the blasts were taken to Karachi from Dubai. They were given all resource back up, shelter and facilities organised by Pak authorities to live under assumed names. Involvement of Dawood Ibrahim in Bombay explosions and his presence in Karachi have also been confirmed.

3. The present revelations fully reinforce the evidence already available and provide further confirmation of the involvement of Pakistan in sponsoring terrorist activities in India. Now atleast it should be clear to the world at large how Pakistan has been making concerted efforts to create terror and destabilisation in our country.

4. It my be recalled that Yakub Abdul Razk Memon has been declared a proclaimed offender and a reward of Rs. 5 lakhs has been announced by the CBI. The Central Bureau of Investigation which has already been entrusted with the investigation of the case is taking further action in the matter. The success of the security agencies in making this important breakthrough deserves the appreciation of the House.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I think, now that Mr. Upendra, your name is there.... (*Interruptions*).... but no, I have only the name of Mr. Upendra, no other names are there before me. But, I feel as the Home Minister said, our security forces are very vigilant and they have been able to apprehend the most important accused. We should appreciate the efforts of our security personnel and congratulate them. For that the whole House unites.

Yes, Mr. Upendra.

SHRRI P. UPENDRA (Andhra Pradesh): Madam I sincerely congratulate the CBI and the Security forces for achieving this big breakthrough. It is all along presued on the basis of the evidence available earlier also that Pakistan was involved in this. Only at the instance of and with the support of Pakistan that this thing has happened and so many people have lost their lives and their valuable properties. Even in the international fora, Pakistan has been making a lot of noise about the human rights situation in this country and elsewhere. I happened to attend a Human Rights Conference in France last month. We had emphatically pointed out Pakistan's involvement in the terrorist activities in Kashmir and other places and also its incitement to destabilisation efforts in this country. And this is the time for the Government of India to take up this issue in the international fora and inform all the countries concerned, particularly those which are still supporting Pakistan about Pakistan's involvement in this dastardly act. I would like to know from the hon. Minister, since the involvement of Dawood Ibrahim and others has been established, what action has been taken against his accomplices and wha is the value of the property belonging to Dawood Ibrahim which has been confiscated and attached by the Government and also what action is being taken to apprehend the other culprits who are suspected to be involved in this act.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Anybody else?

उपसभापति : होम मिनिस्टर साहब, एक-दो मेम्बरस और पूछ रहे हैं, अगर आप सब के सवाल का इकट्ठा जवाब दे देंगे तो बेहतर रहेगा।

SHRI JAGMOHAN (Nominated): Madam, the statement says that the accused has been arrested this morning. So, I hope that after more disclosure are made and more information is available, a comprehensive statement will also come before this House.

श्री के. एम. खान (आंध्र प्रदेश) : सदर साहिबा, मैं आपके माध्यम से सबसे पहले तो सदन की तरफ से हमारे सेक्युरिटी फोर्सेस को मुबारकबाद देना चाहता हूं जिन्होंने ऐसे अपराधियों को तलाश किया, उन्हें पकड़ा जोकि एक ऐसी घटना के लिए जिम्मेदार हैं जिससे कि हमारा सारा मुल्क मुतासिर हुआ है। ऑनरेबल होम मिनिस्टर साहब ने अपने स्टेटमेंट में कहा है कि जो आतंकवादी सरगर्मियां पाकिस्तान की तरफ से हो रही हैं और एक तरफ तो पाकिस्तान सारी दुनिया के सामने यह चिल्लाता फिरता है कि हिन्दुस्तान इंसानी हकूक की खिलाफवर्जी कर रहा है। काश्मीर और मुल्क के बहुत से हिस्सों में इंसानी हकूक की खिलाफवर्जी हो रही है, लेकिन सच्चाई यह है कि पाकिस्तान न सिर्फ मुंबई के अंदर बल्कि मुल्क के दूसरे हिस्सों में, चाहे वह आई.एस.आई. के नाम से हो, इस तरह की सरगर्मियों में मुलब्बिस है। यह सदन की जिम्मेदारी है और सारे मुल्क की जिम्मेदारी है कि जो दहशतगर्दी की सरगर्मियां जिनसे कि लोगों का कत्ल हो रहा है और लोगों में इनसेक्युरिटी की फीलिंग पैदा हो रही है जिसके ताल्लुक से न सिर्फ हम अपने मुल्क में वाकफियत बहम पहुचायें बल्कि पाकिस्तान की यह जो कारिस्तानियां हैं, यह जो गैर-इंसानी सरगर्मियां हैं, इनसे बेनुलअकवामी बिरादरी को पूरी तरह वाकिफ करवायें ? अभी पिछले जिनेवा कनवेंशन में यह तय हुआ कि अगर कोई सरगर्मी जो स्टेट स्पांसर्ड टैरेरिज्म हो, इट्स ए वायलेशन ऑफ ह्यमन राइट्स। सदर साहिबा, मैं आपके माध्यम से यह कहना चाहता हूं कि आज पाकिस्तान हमारे मुल्क में वायलेशन ऑफ ह्यमन राइट्स का मुर्तकिब है और हम चाहते हैं कि यूनाइटेड नेशंस इन सारे मामलात में तहकीकात कर के जो हकायक इस स्टेटमेंट के जरिए और दूसरे तरीकों से हमारे सामने आए हैं, दुनिया के सामने आए हैं इसकी असास पर हम यह कहें कि पाकिस्तान स्टेट टैरेरिज्म का, वायलेशन ऑफ ह्यमन राइट्स का मुर्तकिब है और उसके खिलाफ यूनाटेड नेशंस को, यूनाइटेड नेशंस सेक्यूरिटी काउंसिल को कार्यवाही करनी चाहिए।

यही मैं कहना चाहता था। आपका शुक्रगुजार हूं कि आपने मुझे अपनी बात सदन के सामने रखने का मौका दिया। शुक्रिया।

اپنے ملک میں واقفیت بہم پہنچائیں۔
بلکہ پاکستان کی یہ جو کارستانیاں ہیں۔
یہ جو غیر انسانی سرگرمیاں ہیں ان
سے بین الاقوامی برادری کو پوری طرح
واقف کرائیں۔ ابھی پچھلے جنیوا کنونشن
میں یہ طے ہوا کہ اگر کوئی سرگرمی جو
"اسٹیٹ اسپانسرڈ ٹیرورزم" ہو۔
"انٹی اے وائلیشن آف ہیومین
رائٹس" ——— صدر صاحبہ۔
میں آپ کے توسط سے یہ کہنا چاہتا
ہوں کہ آج پاکستان ہمارے ملک
میں "وائلیشن آف ہیومین رائٹس"
کا مرتکب ہے۔ اور ہم چاہتے ہیں
کہ یونائیٹڈ نیشنس ان سارے
معاملات میں تحقیقات کرکے
جو حقائق اس اسٹیٹمنٹ کے ذریعہ
اور دوسرے طریقوں سے ہمارے
سامنے آئے ہیں۔ دنیا کے سامنے
آئے ہیں۔ اس کی اساس
پر ہم یہ کہیں کہ پاکستان اسٹیٹ
ٹیرورزم کا "وائلیشن آف ہیومین رائٹس"
کا مرتکب ہے۔ اور اس کے
خلاف یونائیٹڈ نیشنس کو ———
یونائیٹڈ نیشن سکیورٹی کونسل کو
کارروائی کرنی چاہیئے۔ یہی میں کہنا

شری کے ایم۔ خان "آندھرا پردیش"
صدر صاحبہ۔ میں آپ کے توسط سے
سب سے پہلے تو ایوان کی طرف سے ہمارے
سیکیورٹی فورسیز کو مبارک باد دینا چاہتا ہوں
جنھوں نے ایسے مجرموں کو تلاش کیا۔ انہیں
پکڑا جو کہ ایک ایسی گھٹنا کے لئے ذمہ دار
ہیں جس سے کہ ہمارا سارا ملک متاثر
ہو رہا ہے۔ آنریبل ہوم منسٹر صاحب
نے اپنے اسٹیٹمنٹ میں کہا ہے کہ جو ٹیرورسٹ
سرگرمیاں پاکستان کی طرف سے ہو رہی
ہیں۔ اور ایک طرف تو پاکستان ساری
دنیا کے سامنے یہ چلاتا پھرتا ہے کہ
ہندوستان انسانی حقوق کی خلاف ورزی
کشمیر اور ملک کے بہت سے حصوں
میں انسانی حقوق کی خلاف ورزی ہو رہی
ہے۔ لیکن سچائی یہ ہے کہ پاکستان نہ
صرف بمبئی کے اندر بلکہ ملک کے دوسرے
حصوں میں چاہے وہ آئی۔ ایس۔ آئی
کے نام سے ہو ——— اس طرح کی سرگرمیوں
میں ملوث ہے۔ یہ ایوان کی ذمہ داری
ہے اور سارے ملک کی ذمہ داری
ہے کہ جو دہشت گردی کی سرگرمیاں جس
میں کہ لوگوں کا قتل ہو رہا ہے اور لوگوں
میں "ان سیکیورٹی کی فیلنگ" پیدا ہو رہی
ہے۔ جس کے تعلق سے نہ صرف ہم

†[ ] Transiteration in Arabic Script.

آپ نے مجھے اپنی بات ایوان کے سامنے رکھنے کا موقع دیا۔ شکریہ۔

SHRI VENOD SHARMA (Punjab): Madam Deputy Chairman, I want to congratulate our security agencies who have apprehended one of the main accused in the Bombay bomb blasts. Since one of the main accused has been apprehended, it is quite possible that more light will be thrown on the case. The case is already pending with the Designated Court in Bombay and some of the accused have been booked under TADA. One out of them is Sanjay Dutt. He has already been apprehended and has been booked under TADA. Now, one of the accused one of the main accused, who has been apprehended is going to give more information. In the case of Sanjay Dutt, his bail application is pending in the Supreme Court. It will be decided on the 10th. I would like to know from the hon. Home Minister whether the security agencies or the CBI would take quick action to find out whether the involvement of Sanjay Dutt is a fact or not so that no innocent individual is punished.

The second thing which I would like to know from the hon. Home Minister is: what action we are contemplating to apprehend Dawood Ibrahim. It has now been established beyond any doubt that he is involved in the Bombay blasts case. He is freely roaming around. He is supposed to be in Dubai and also visiting Pakistan with the assistance of the I. S. I. would therefore, like to know what action is being taken by the Government of India or the security agencies; in co-operation with the other Governments to apprehend this culprit. I would also request the Government to take up in the international fora the question of involvement of I.S.I. We should know what the Government of India is going to do in this direction.

SHRI SURESH KALMADI (Maharashtra): I join the House in congratulating the Home Minister on having achieved some success in booking one of the main accused involved in the Bombay blasts case.

Madam, I share the concern expressed by Mr. Venod Shadma. He asked about the attempts being made to nab Dawood Ibrahim. This is important because he is the nodal person in relation to the entire case. I think we should spare no efforts in apprehending him and bringing him back to the country.

Another thing I would like to know is recently, there has been much talk about the Vohra Committee Reprot dealing with the nexus between criminals and politicians. In this conection I would like to know from the hon. Home Minister whether, in that report, any politician has been named.

SHRI GOVINDRAO ADIK (Maharashtra): Madam Deputy Chairman I would like to associate myself with the other Members in this august House in congratulating the Government on the arrest of one of the principal accused in the Bombay blasts case this morning. I sincerely thank and congratulate our security agencies, the C. B. I. as well as the Home Minister for having acted very quickly in the matter.

As has been said here; the main culprit in the Bombay blasts case is, no doubt Dawood Ibrahim. His presence in Karachi has also been confirmed by the Home Ministry. I would, therefore, request the hon. Home Minister to take up his matter in the international fora as well as with the Government of Pakistan; if required. At the same time; Madam; I would urge upon the Government of India not to have any compromising attitude as far as the main culprits in the Bom-

bay blasts case are concerned. Every effort should be made to book the main culprits. Thank you.

SHRI SURINDER KUMAR SINGLA (Punjab): Madam, I would like to commend the excellent role played by our security agencies in apprehending one of the main accused. I also congratulate the hon. Home Minister for undertaking intensive investigations which have vielded fruits. But while I say this, I feel there has been a failure in some other front. The Government of India has really failed in countering the kind of vicious propaganda which is being carried on against us in the international fora, using the various human rights organisations. I would, therefore, request the Home Minister that the Government of India should go on the offensive now and take up in the international fora the question of declaring Pakistan as a terrorist State. This has been the demand for a long time. We have enough of proof. I do not deny that there was enough proof. Now, a direct evidence is available to convince the international community to accept our plea that Pakistan be isolated in the international community and that it be persuaded to see that it does not really adhere to the terrorist activity.

Thank you, Madam.

SHRI JAGESH DESAI (Maharashtra): Madam Deputy Chairman, I congratulate our security agencies for what they have done, but we have to find out—I am sure that the agency must be at it—the purpose for which Yakub had come to Delhi, what his plans were in Delhi, what his designs were in Delhi. There must be some associates with Yakub. I am sure that the agency must be looking into it. They might have come with some design, to indulge in some kind of terrorism in Delhi also. I think that alert must be given in Delhi because we do not know who else have come along with him.

Secondly, you have announced the reward of Rs. 5 lakhs. This reward should be given immediately so that people know that whenever the Government gives assurances of this kind, they are immediately fulfilled so that in future also they will help us. I am sure that the Government will find out the reasons for Yakub's coming to Delhi.

SHRI SANJAY DALMIA (Uttar Pradesh): Madam, I would like to compliment the Government of India and the security agencies for having got one more break-through in this case. I agree that we must make all efforts to take it to the international forum and get Pakistan branded as a terrorist state. I think, some time back, this was more or less in the offing and that Pakistan was going to be branded as a terrorist state. Its consequences would have been very very good because all the aid and all those things for Pakistan would have been stopped. I do not know what developed at the last minute. That decision was not taken. Now, I think, with this revelation, it is high time that we made all efforts to bet Pakistan branded as a terrorist state so that all the aid the defence aid and other aid which Pakistan is getting from the international commmunity, is stopped forthwith.

SHRIMATI URMILABEN CHIMANBHAI PATEL (Gujarat): Madam, I would like to associate myself with all the other Members in congratulating the security agency, the SBI, and our respected Home Minister for this break-through, and I would like to stress that, as we have got the evidence that Pakistan is involved in the terrorist activities, we should press on the United Nations that Pakistan should be declared a terrorist state and that all the aid that

is given by the UNO, other agencies, the US and other states should be stopped. We should bring pressure through the UNO on them.

I think that other culprits like Dawood and others are still working on the lines of the terrorist activities. The agency should try to catch Dawood and such other persons as quickly as possible.

Thank you, Madam.

मौलाना हबीबुर्रहमान नोमानी (नाम निर्देशित) : निश्चय ही यह एक बहुत बड़ा कारनामा है जो याकूब अब्दुल रज्जाक मेमन को सिक्युरिटी फोर्सिस ने गिरफ्तार किया। मैं इसके लिए सिक्युरिटी फोर्सिस को, सी.बी.आई. को और खास तरीके से गृह मंत्री जी को मुबारकबाद देना चाहता हूं। इंतहा पसंदी उग्रवादिता, इस बात की इस्लाम हरगिज इजाजत नहीं देता है। जिन लोगों के साथ मुसलमान नाम जुड़ा हुआ है और इस तरह की गैर-इंसानी हरकत करते हैं, वे इस्लाम के नाम पर बहुत बड़ा काला धब्बा हैं, वे इस्लाम को बदनाम करने की कोशिश करते हैं। इसकी जितनी भी मजम्मत की जाए, कम है।

मुझे यह कहना है कि याकूब अब्दुल रज्जाक मेमन का यहां आना दिल्लत से खाली नहीं होगा। उसके दिमाग में जरूर कोई षडयंत्र रहा होगा, कुछ और लोग भी आए होंगे, वह तनहा नहीं आया होगा। इसलिए बड़ी सतर्कता के साथ, बड़ी मुस्तैदी के साथ और पूछताछ करके ऐसे लोगों पर निगाह रखने की जरूरत है ताकि किसी भी आने वाले हादसे से, इस तरह की घटना से दिल्ली को बचाया जा सके। इस सिलसिले में मैं एक बात और कहना चाहता हूं कि इस मुलजिम के पकड़े जाने से बड़ी हद तक कोहरा छाया हुआ था। इस केस के सिलसिले में बहुत से बेगुनाह आदमी भी टाडा के अंदर बंद हैं। मैं समझता हूं कि अब उस पर भी रोशनी पड़ेगी और मैं यह कह सकता हूं कि होम मिनिस्टर साहब इसकी तरफ तवोज्जह देंगे और जो भी बेगुनाह टाडा के अंदर बन्द हैं उनको रिहा करके उनके ऊपर रहम करेंगे और इसानी दोस्ती का सबूत देंगे। बस, शुक्रिया।

श्री के० एम० खान : मैडम, एक बात कहना चाहता हूं कि इस मसले का इस्लाम से या मुसलमान से कोई ताल्लुक नहीं है। यह सीधा-सादा एक दहशत गर्दी का मसला है और जो भी लोग हैं, मुस्लिम हैं उनको सख्त से सख्त सजा देनी चाहिए। लेकिन इसका इस्लाम से और मुसलमान से कोई ताल्लुक नहीं है, मैं यह बात कहना चाहता हूं।

†شری کے - ایم - خان :- میڈم - ایک بات کہنا چاہتا ہوں کہ اس مسئلہ کا اسلام سے یا مسلمان سے کوئی تعلق نہیں ہے - یہ سیدھا سادا ایک دہشت گردی کا مسئلہ ہے اور جو بھی لوگ ہیں ـــــ مسلم ہیں ـــ اُن کو سخت سے سخت سزا دینی چاہیئے۔ لیکن اس کا اسلام سے اور مسلمان سے کوئی تعلق نہیں ہے - میں یہ بات کہنا چاہتا ہوں -

उपसभापति : उन्होंने यही कहा है।

SHRI S. B. CHAVAN: I must express may gratitude to all the hon. Members, who have participated in the immediate discussion that followed after the statement was made. I must thank all the Members for complimenting the Government as well as the security forces for the good work that they have done. There is no doubt that the Government never had any kind of doubt about the involvement of Pakistan so far as the bomb blast case is concerned, but so

†[] Transliterations in Arabic Script.

far we were trying to get what we call the secondary evidence. All kinds of secondary evidence was being collected to establish beyond any iota of doubt that the involvment of Pakistan was very much there. We had some impression that in the beginning they had fled to the U.A.E. to Dubai they had gone and somehow thereafter their where abouts were not traceable. Now, it has been established beyond any doubt. All the passports are in our possession now. All the incriminating documents are in the possession of the Government. It might be that in the evening I will be addressing a Press conference where I would like to expose the activities of Pakistan in this matter. In fact, there is a very good case now to build up that Pakistan is a State which is sponsoring terrorism. There is no doubt about it. We were not having enough evidence at our disposal, though the indirect evidence with us was more than adequate. Now, it is the direct evidence which has become available. At this stage, it would not be prudent on my part to say anything about the reasons as to why he was trying to visit Delhi. It is a matter of investigation and the CBI Officers will definitely go into the details and trying to find out the reason why he was trying to visit Delhi. It is a matter for investigation. At this stage I would not like to give any kind of reply to this point.

It is a fact that all efforts have been made through Interpol and all international agencies to give a red-alert to all the countries that these are the accused involved in a bomb blast case and we would like to have information about the same, but somehow we had reached an area where we thought that we had reached a dead-end and might be, we will not get any further information in the matter, but luckily for us we could get the main accused in Delhi itself. I must also join the hon. Members in paying compliments to our security forces for doing their job in a very neat and clean manner and getting a very important person who, in fact, is going to be of tremendous use so far as the Bombay blast case is concerned. May be, in some of the cases, we will get some clues through him. After the interrogation, may be, we will be able to get more information. The extradition papers have been sent to the MEA so that matters could be taken up at the diplomatic level both with the UAE Government and with the Pakistan Government. But, at least I have no doubt, in my mind, that we cannot expect any kind of cooperation from the Government of Pakistan. They may not openly say so. But at least in my mind, I am absolutely clear that since their involvement is very much there, they will never cooperate in spite of the fact that we have all the evidence that they are now in Karachi. Where the property is located is also known to us. Hon. Member, Shri Upendra, wanted us to find out the properties which have been attached by the Government in Bombay and other areas. Every effort is being made by the Government and the CBI is definitely looking into the matter. These properties are never directly in the name of the accused. They are normally *benami* properties. That is why the officers will have to go deep into the matter to find out and establish connections about the benami transactions. Thereafter we will the succeeding in getting the properties attached. Wherever we find that there is suspicion, we have attached the property. Thereafter, confiscation is a matter which can be done only after the judgement is delivered by the respective courts.

Madam, this is not the time when I should unnecessarily reply to some of the points which have been raised during the course of the discussion. Something has been asked about the Sanjay Dutt case and the Vohra Committee report. A number of other things

have also been said. I do not think that we should unnecessarily dilute the statement by entering into any kind of other controversies. Those are matters which are before the Court and I am sure that the Court will definitely take care of the same.

SHRI P. UPENDRA: Madam, I want a small clarification. The Home Minister has mentioned that the reasons for Memon's presence in Delhi are being investigated. There is a report published in newspapers about a conspiracy to do some mischief on the Independence Day. Will the Home Minister review all the arrangements in connection with the Independence Day in view of this arrest?

SHRI S. B. CHAVAN: Madam, whatever information about security matters we get from whatever source, we normally act on the same. Security is under constant review. Whatever tightening of the security is required is definitely undertaken.

THE DEPUTY CHAIRMAN: We once again congratulate our security forces, the CBI and everybody involved in catching the culprits. We hope that in future, these activities will not be happening in our country and the Government would be more careful and vigilant, now that we know their *modus operandi* and also the involvement of the people and the country, Pakistan, as such. We would like the sentiments of the House to be conveyed, through you, Mr. Home Minister, to everybody.

Now, we have Mr. Jagesh Desai.

REFERENCE— (contd.)

Re. Guidelines given by S.E.B.I. to Prevent Manipulation of share prices'

SHRI JAGESH DESAI (Maharashtra): Madam Deputy Chairman, the Securities Exchange Board of India was the idea of late Shri Rajiv Gandhi Initially, this kind of a Board was being established with the idea that the share market could be brought under discipline. But, after that, we lost the elections. Thereafter, successive Governments did not establish the SEBI. But now, this Government has given teeth to the SEBI. That is why there was a news item a week ago that the promoters of companies have amassed Rs. 5,000 crores by giving preference to the shares to be allotted to the promoters. Madam, now, the SEBI has given guidelines that the shares can be given to the promoters on some conditions. Regarding the value of the shares to be given to them before six months of the Annual General Meeting, when it was decided by the shareholders that the price at which the shares to be allotted to promoters, was the average of the six months earlier to the meeting of the general body where they will pass a resolution. But, we know that the share prices are manipulated by promoters. By selling the shares they want to manipulate the prices. By buying the shares, they want to increase the prices and by selling the shares, they want to reduce the prices. As such, they are having this kind of recourse. Now, the SEBI has given guidelines that two weeks before the Annual General Meeting, the average price has to be taken. If that average price is more than what was in six months, then it will be allotted only at the higher price. As such, this kind of manipulation can be avoided. I compliment the SEBI for taking this action in the interest of the smaller shareholders. But, there is one lacuna which I would like to point out for the consideration of the SEBI so that all those who want to amass money by rigging the prices by taking the shares at discount prices, are stopped from doing so. One of the reasons is that now the money would be locked up for five years. So, after the shares are allotted, they cannot sell the shares within five years. All types of precautions have been taken. Not only that. Ten per cent deposit has to be given. If they do not want to purchase it, then, as an option, 10 per cent will be permitted. All such actions have been taken by the SEBI. I compliment them for